



रक्तदान यह सर्वश्रेष्ठ दान है। कोई रसायन, दवा अथवा द्रव्य से इसकी तुलना नहीं की जा सकती, कोई पर्याय नहीं



एकबार किया रक्तदान तीन व्यक्तियों को बचा सकता है

- हर तीन सेकंद में किसे न किसे रक्त की आवश्यकता होती है।
- रक्त के अनेक घटक अलग अलग रखे जाते हैं।

रक्तदान के पाँच सरल टप्पे



रक्तदान के लाभ.....

- हृदयरोग की संभावना कम
- मानव को किसी गंभीर रोग की जानकारी मिलती है
- वसा कम होती है
- नये रक्त का स्रजन
- RBC निर्माण को गति
- जीवन बचाने का आलीय आनंद

मैं स्वस्थ रक्तदाता कैसे हो सकता हूँ ?

- उम्र १८ से २० वर्ष होनी चाहिये
- वजन ५० किलो होना चाहिये
- हेमोग्लोबिन का स्तर १२.५ gm/dl से अधिक होना चाहिये
- शारीरिक तापमान एवं रक्तचाप सामान्य होना चाहिये।

रक्त मिलने के लाभ.....

- दुर्घटना, जलना, रक्तस्राव अथवा शल्यक्रिया के समय शीघ्र रक्त मिलता है
- थैलेसेमिया, पीलिया, हॅपाटाइटिस में जीवन बचाया जा सकता है।
- चिकित्सा संबंधी परीक्षण में सहायक

ध्यान रहें.....

- रक्तदान सुरक्षित होता है।
- रक्तदान से कोई कमजोरी नहीं होती तथापि ना ही दर्द होता है।
- रक्तदान करने से AIDS या अन्य कोई रोग नहीं होता।
- एकबार रक्तदान के पश्चात तीन महीनो के बाद रक्तदान कर सकते है।
- रक्तदान के पश्चात रक्त की पूर्तता २४ घंटो में हो जाती है।

“आज का रक्तदाता कल का रक्त लेनेवाला हो सकता है!!!”